श्री प्र० चं० सेठी : मैंने दोनों बातें कह दी हैं कि जहां तक जांच का ताल्लुक है पुलिस इस की जांच कर रही है, जहां तक डिरिक-रिनशन का मामला है, यह बात इवैलुएशन कमेटी को सौंप दी गई है। उन का वर्डिक्ट आने पर इस का फैसला किया जायेगा।

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Facilities for Food Processing and Preservation

*484. DR. RANEN SEN :
SHRI D. C. SHARMA :
SHRI BENI SHANKER SHARMA :
SHRI M. N REDDY :

Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether it is a fact that facilities for food processing and preservation in the country are obsolete and outmoded ; and

(b) if so, what steps Government propose to take to improve food processing and preservation in India ?

THE MINISTER OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND COMPANY AFFAIRS (SHRI F. A. AHMED) : (a) and (b). Some of the food products manufactured in India can compare favourably with some of the international brands. There is however, scope for the introduction, of mechanisation and modern processing equipments. Units which are engaged in the export of processed foods are being assisted to equip themselves with modern equipment not indigenously available. Training in Food technology is being imparted in the Central Food Technological Research Institute, Mysore where adequate modern technology has been developed and further research is being carried out.

Supply of Tractors by Bulgaria and Rumania

*485 SHRI NITIRAJ SINGH CHAUDHARY :
SHRI A. S. SAIGAL :

Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether Bulgaria and Romania besides Russia have offered to supply and also to start manufacture in India of cheap tractors suitable for indian conditions ; and

(b) if so, Government's reaction thereto ?

THE MINISTER OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND COMPANY AFFAIRS (SHRI F. A. AHMED) : (a) and (b). A statement is laid on the Table of the Sabha.

STATEMENT

In order to meet the gap between the demand and availability of tractors from the indigenous sources, imports of tractors are being arranged by the Department of Agriculture Offers for the supply of tractors have *inter-alia* been received from Bulgaria, Rumania and Russia. The Department of Agriculture have made the following arrangements for the import of tractors from these countries during the current year :

1.	DT-14B tractors from Russia	6,000 Nos.
2.	50-HP Byelarus tractors from Russia	500 Nos.
3.	50-HP UTOS-2 tractors from Rumania	500 Nos.

2. Government have also received schemes for the manufacture of tractors in collaboration with these countries.

A scheme for the mauufacture of DT-14B tractors in collaboration with M/S Prommash export and Tractorexport of USSR has been approved in principle and the Indian party has been asked to submit their application for the import of capital goods, phased manufacturing programme and the final draft collaboration agreement.

The Indian party which wants to collaborate with M/S Industrial Export, Rumania has been asked to submit the application for the import of capital goods and revised munufacturing programme by 31.12.1968.

The Punjab State Industrial Development Corporation propose to enter into collaboration with M/S Agromachine and. Tractorexport, Bulgaria for the manufacture of 13 HP tractors. They have been asked to send a prototype of the tractor

proposed to be manufactured by them to the Tractor Training and Testing Station, Budni. Their proposal will be considered after the receipt of the report of the Tractor Testing Station, Budni.

पाकिस्तान द्वारा पकड़े गये और वापस लौटाये गए भारतीय माल का बम्बई पत्तन पर पड़ा रहना

*486. **श्री विभूति मिश्र :**
श्री वाल्मीकी चौधरी :

क्या वाणिज्य मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 1965 में हुए भारत और पाकिस्तान के संघर्ष के दौरान पाकिस्तान द्वारा पकड़ा गया भारतीय माल जुलाई-अगस्त, 1968 में वापस लौटा दिया गया था ;

(ख) क्या यह भी सच है कि यह माल बम्बई पत्तन पर पड़ा हुआ है ; और

(ग) यदि हां, तो इस माल को इसके सही गन्तव्य स्थान पर भेजने में विलम्ब होने के क्या कारण थे ?

वाणिज्य मन्त्री (श्री दिनेश सिंह) : (क) और (ख). 1965 के भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान पकड़े गये माल में से पाकिस्तान सरकार अगस्त 1966 से केवल ऐसा माल ही वापस लौटा रही है, जो सहायता के रूप में प्राप्त हुआ है और जिस माल का तटस्थ देशों द्वारा बीमा किया हुआ है। सितम्बर, 1968 के अन्त तक इस प्रकार के माल में 13250 पैकेज बम्बई में उतारे गये, इनमें से 502 पैकेज अगस्त तथा सितम्बर, 1968 के मासों में आए। केवल 479 पैकेज की अभी निकासी बाकी है जिनमें 36 पैकेज शामिल नहीं हैं जिनके खो जाने का समाचार है।

(ग) नौवहन सम्बन्धी कागजातों और उनके छुड़ाने के लिये आवेदन पत्रों की अनुपस्थिति में, उन व्यक्तियों का पता लगाना सम्भव नहीं हो सका है जिनके नाम माल भेजा गया था। बम्बई पत्तन न्यास प्राधिकारी जहाजी बीमा कम्पनियों आदि के माध्यम से उन व्यक्तियों का पता लगाने के प्रयास में लगे हुए हैं।

इस्पात कारखानों में उत्पादन

*487. **श्री हरदयाल देवगुण :** क्या इस्पात, खान तथा धातु मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1968 के पहले छः महीनों में सरकारी क्षेत्र के इस्पात कारखानों में से प्रत्येक इस्पात कारखाने में इस्पात का कितना उत्पादन हुआ ;

(ख) क्या यह सच है कि उक्त कारखानों के कर्मचारियों तथा श्रमिकों की हड़ताल से इन कारखानों में इस्पात के उत्पादन पर कुप्रभाव पड़ा है ;

(ग) यदि हां, तो गत वर्ष इस्पात के उत्पादन की तुलना में यह उत्पादन कितना कम अथवा अधिक है ; और

(घ) उत्पादन को बढ़ाने के लिए क्या कार्यवाही की गई है ?

इस्पात, खान तथा धातु मन्त्रालय में राज्य मन्त्री (श्री प्र० चं० सेठी) : (क) से (घ). दुर्गापुर, भिलाई और राउरकेला इस्पात कारखानों का जनवरी-जून 1968 और 1967 में इसी अवधि का विक्रय-इस्पात का उत्पादन निम्नलिखित है :

(हजार टन)

	जनवरी-जून 1968	जनवरी-जून, 1967
दुर्गापुर	273.7	261.5
भिलाई	554.2	659.5
राउरकेला	364.0	312.6

विभिन्न औद्योगिक सम्बन्धों के कारण, विशेषतः दुर्गापुर में, उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। भिलाई में दूसरे कारणों से उत्पादन